

23/11/2022

लड़ाई

लड़ाई जो दो तरीके की होती है - रक्त लड़ाई जो मार पिट करके होती है और दूसरी लड़ाई शब्दों की होती है।

मार पिट वाली लड़ाई में शरीर को नुकसान जरूर पहुँचता है और वो ठिक किया जा सकता है। पर जो शब्दों की लड़ाई होती है, उसका ठिक होना बहुत मुश्किल होता है क्योंकि किसी के कुछ कहे हुए शब्द हमारे मन में घर करके रह जाते हैं।

रिश्तों में मत भेद होना अच्छी बात है। मत भेद होने के कारन हम सही विकल्प चुन पाते हैं। पर इस दौरान आपका कहीं हुआ हर रक्त शब्द बहुत माइने रखता है। रक्त उल्लत शब्द और बात खत्म। मत भेद कब मत भेद में बदल जाये कोई नहीं कह सकता।

वो कहते हैं ना, जैसे लेखक की तलवार उसकी कलम होती है, वैसे ही हमारे जिंदगी की तलवार हमारे शब्द हैं। उदाहरण :- तलवार को सही जगह से तिखा किया जाये तो वो अच्छे से निखर कर आती है, लेकिन थोड़ी सी इधर-उधर हुई तो वो टूट भी सकती हैं। रिश्ते का भी कुछ ऐसा ही है। तो इसी लिए अपने शब्दों को सही समय, सही जगह इस्तेमाल करे और हमें खुश रहे।

नाम :- वैष्णवी गणेश मंड्या.

E-mail :- vaishnavimanzav@gmail.com.